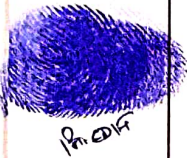


तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

24/6/25



फिर...

प्राक्ती पेश हुई वादी वकील उपस्थित। वादी स्वयं उपस्थित। वादी ने गर्जना पत्र वास्तु निर्णय करने हेतु पेश कर निवेदन किया कि वादी एवं प्रतिवादीगण के आपस में राजीनामा हो चुका है। मैं उस प्रकार को आज ही बिहो करना चाहता हूँ। उक्त प्रकार की प्राक्ती में आज तारीख ज्ञित है। इसलिए आज ही मुत्तवाई करके हुए निर्णय पारित किया जाना न्यायोचित है। अतः निवेदन है कि उक्त प्रकार में आज ही मुत्तवाई करके हुए निर्णय पारित करने का कष्ट करवें। वादी के निवेदन पर प्राक्ती में आवश्यक मुत्तवाई की गई। वादी ने प्राक्ती वास्तु बाद बिहो करने बाबर पेश कर निवेदन किया कि उक्त अनुदान सबर का बाद में हमारे गंज के मौजिन लोगों ने आपसी समझौता करके राजीनामा करवा दिया है। इसलिए हम उक्त प्रकार को भंगे नहीं करना चाहते हैं तथा उक्त राजस्व वाद को इसी स्तर पर बिहो करना चाहते हैं। अतः निवेदन है कि वाद बिहो का गर्जना पत्र स्वीकार कर बिहो का अदेशा फरमावें। वादी का गर्जना पत्र स्वीकार किया जाकर उक्त अनुदान के प्रकार की करवाई इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। प्राक्ती पैसल मुम्तय होकर हाजिर तमबर हो। संख्या से एक कम हो।

